



हरेली तिहार पर आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

समवेत शिखर संवाददाता

कम्हारी। द आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में हरेली तिहार के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में

मुख्य रूप से कुलपति डॉ. शिवदयाल पांडे कुलसचिव , डॉ मनीष उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.के किशोर कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी विभाग 🛂

के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पौधा प्रदान कर किया गया । इस आयोजन के सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. एस एस. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहाँ कि भारत विविधताओं का देश है और केवल एक भारत देश ही ऐसा है जहां पर हर पर्व को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता समृद्धता और संस्कृति का परिचायक है। इसके पश्चात

ने कार्यऋम को संबोधित विश्वविद्यालय के कुलपति करते हुए कहा कि ÷भारत त्योहारों का देश है, जहाँ प्रत्येक पर्व प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ा हुआ होता है। हरेली तिहार न केवल कृषि संस्कृति

> का प्रतीक है, बल्कि यह हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की प्रेरणा भी देता है उन्होंने कहा की प्रकृति से हमें जुड़े रहना चाहिए क्षितिज जल पावक गगन

समीरा÷ को विस्तार देते हुए कहा की प्रकृति को सुरक्षित रखना हमारी सबसे बडी जिम्मेदारी है साथ ही उन्होंने संस्था के विकास के लिए कड़ी मेहनत और जिम्मेदारी से अपने कार्य का निर्वहन करने की बात कही उन्होंने प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज के युग में हमें न केवल तकनीकी विकास की ओर बढ़ना है, बल्कि प्रकृति से जुड़े रहकर सतत् विकास की ओर भी ध्यान देना है। विश्वविद्यालय का समग्र विकास तभी संभव है जब हम पर्यावरण, शिक्षा और उनके मुल्यों को साथ लेकर आगे बढें।

शैक्षा प्रक्रि 1 में गया. मिला दिजि पंजीव दस्ता

> = नर

त कम

fab. स्व. टोंग तहर स्थि

हरेली तिहार पर आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय में हुए सांस्कृतिक आयोजन पर्यावरण, शिक्षा और उनके

कुमारी (कुबेर भूमि)। द आइ सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में हरेली तिहार के अवसर पर सांस्कृतिक गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपति डॉ. शिवदयाल पांडे कलसचिव . डॉ मनीप उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के अधिशता डॉ.के किशोर कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां की सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रन्यलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पीधा प्रदान कर किया गया । इस आयोजन सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. एस एस. दुवे ने अपने उद्घोधन में कहा कि भारत विविधताओं का देश है और केवल एक भारत देश हो गैसा है जहां पर हर पर्व उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता समृद्धता और संस्कृति का

इसके पश्चात विश्वविद्यालय G-252602192/1

के कुलपति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'भारत त्योहारों का देश है, वहाँ प्रत्येक पर्व प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ा हुआ होता है। बरेली विहार न केवल कृषि संस्कृति का प्रतीक है, वस्कि यह हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य वनाकर चलने की

प्रेरणा भी देला है उन्होंने कहा की प्रकृति से हमें जुड़े रहना चाहिए 'स्थितिज जल पावक गगन समीरा' को विस्तार देते हुए कहा की प्रकृति को सुरक्षित रखना हमारी संबसे बड़ी जिम्मेदारी है साथ ही उन्होंने संस्था के विकास के लिए कड़ी मेहनत और जिम्मेदारों से अपने कार्य का निर्वहन करने की बात कही प्रकृति संरक्षण आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज के युग में हमें न बढ़ना है, बल्कि प्रकृति से बुद्दे सहकर सतत् विकास की ओर भी ਹਰਤ ਵੇਜ਼ ਵੈ। ਰਿਹਰਰਿਗਰਨ ਪਤ

मृत्यों को साथ लेकर आगे बढ़ें। कार्यक्रम में विद्यार्थियां एवं कर्मचारियों द्वारा राजगीत, कविता समग्र विकास तभी संभव है जब

कारालिय नगर प्रलिक निगम बीरमाव शिला-स्थापुर (स.स.)

निमः अधिनेत्वों में क्यांतका को शुक्रक तिका प्रकार क. ३६०, दिनंब 25-07-2025 सार्ड कर नाम माँ देखेल्यने माना चर्डण, 16 वर्ष 2013-21

च दामा माता है, तो हम प्रभावन के 2013न के संकार अपना विशेष 22-08-2023 का प्रभाव प्रभाव करिया दाविका गांच प्रदेशक निकार संकार में तिर्विका दामा- आर्थी प्रभाव दिख्यु कर सकते हैं। निर्विका सम्बाधिय प्रधान क्रियों में प्रभाव को कोई दाना- आर्थी माता की भी को की होंगी। दाना अपनी माता की होने को किसी में में विश्वेषण के हुआ के प्रणा मुख्या ज्यसंत अधिभागी के पक्ष में रामातर्श की कार्यशास को जानेगी।

(treat stage (or.m.)

प्रति आधार प्रकट किया गया। प्रालिक निगम बीरगांव जिल-स्थापुर (छ.ता.) E-mail: birgsonmcp@gmail

प्रस्तुतियाँ दो गईं, जिनमें हरेली

तिहार के महत्व और प्रकृति के

क्षेत्र अधिकेषी में बन्दांका की मुख्य कांका काम हुए 39, हराब 25-07-223 आर्थ बा नाम प्रा पे रोगांची प्राता कांक्र 16 को क्षेत्र 25-16 एक्ट इस मुग्ति किया बात की निकासमा प्रवा / पुर जो का निकास को की की की की की की की मोर्थ के 1390 पुराशित 25-26 अपूरण मोर्थ में 1390 पुराशित 25-26 अपूरण मोर्थ काम की की की की की की की कार्यभावकर स्वार्ध के दर्ज हैं, और भी पार्थ देखे का साम कर्या करिया करि

Email ID-ee.d	hamtari@nic.in 147025-2026/ 电电标	fe-fin 25/07/2025
	🕢 निविदा आमंत्रण सूच-	π //
६ निविध्त प्रथम क्रय 2. शेकेचार द्वारा प्रस्कृ 3. निविध्त खोलने को	निवादार्थे आत्र भारने की आंत्रव तिथि।-	अ08/2025 अपगल 5.30 वर्षे तक 2028/2025 अपगल 5.30 वर्षे तक 308/2025 पूर्वे ट 11.30 वर्षे
एनआईटी क	कार्ष का नाम	कार्य की अनुवानित लागत (लाग्ड में) अभानत राशि (स. में)/ चैंबा सालवेंसी
14 T0052	विकासपुर पुरुष के पाने प्रका और फोरिंग एवं गार्टी के कार्य 2025-26 प्रकार आर्थका	10.00 7500.00 300000.00
14 T0053	विश्वसम्ब स्कूट से सामने मेंद्र स्केपिन एवं गार्टीका कार्य 2025-26 प्रथम आर्थण	10,00 7500.00 300000.00
2 प्रत्येक कार्यों का है 3 एनआईटे क. To 4 रोप EMD के र 5 निर्माण मंत्रीके गरे	त का मुख्य म. 750,00 । जीवा को को द में अ जीवा के लिये हैं 552, Toos मध्यापि सितोक 3373/58251 तथ मनता CD हेंनु अनेवाल 2, 3 में प्रत्युत करना अनिवार्य है। जिस्मीय वेपासीट WWW. 03,010.in/pwdraiptur में L जीवनेवान भागत में अमिनीय कार्यना में कियो जा सकता है।	ive Tender के ऑगोर निवंदर प्रथा के जानाथ
G-252602192/1		कार्यपालन अधिक शोक निर्माण विश्वान धमली संश्व धमली (छ.ग.

हरेली तिहार पर आईसीएफएआई विवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम

कुम्झरी, 25 जुलाई (देशबन्धु।। द आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में हरेली तिहार के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुलपित डॉ. शिवदयाल पांडे कुलसचिव , डॉ मनीष उपाध्याय एवं विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.के किशोर कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी विभाग के विभागाध्यक्षा, प्राध्यापक गण, कर्मचारीगण एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां

सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पौधा प्रदान कर किया गया । इस आयोजन के सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. एस एस. दुबे ने अपने उद्घोधन में कहा कि भारत विविधताओं का देश हैं और केवल एक भारत देश ही ऐसा है जहां पर हर पर्व को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता समुद्धता और संस्कृति का परिचायक है।

इसके पश्चात विश्वविद्यालय के कुलपति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि च्यारत त्योहारों का देश हैं, जहाँ प्रत्येक पर्व प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता से जुड़ा हुआ होता है। हरेली तिहार न केवल कृषि संस्कृति का प्रतीक हैं, बिल्क यह हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर चलने की प्रेरणा भी देता है उन्होंने कहा की प्रकृति से हमें जुड़े रहना



चाहिए च्छितिज जल पावक गगन समीराज्य को विस्तार देते हुए कहा की प्रकृति को सुरक्षित रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है साथ ही उन्होंने संस्था के विकास के लिए कड़ी मेहनत और जिम्मेदारी से अपने कार्य का निर्वहन करने की बात कही उन्होंने प्रकृति संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज के युग में हमें न केवल तकनीकी विकास की ओर बढ़ना है, बल्कि प्रकृति से जुड़े रहकर सतत् विकास की ओर भी ध्यान देना है। विश्वविद्यालय का समग्र विकास तभी संभव है जब हम पर्यावरण, शिक्षा और उनके मुल्यों को साथ लेकर आगे बढ़ें।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा राजगीत, कविता पाठ तथा लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दो गईं, जिनमें हरेली तिहार के महत्व और प्रकृति के प्रति आभार प्रकट किया गया। इन प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया।